Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12** ] [ Total No. of Printed Pages : **3**

# APF–2012

## M.A. (Final) Examination, 2022

## RAJASTHANI

Paper - II

## (आधुनिक राजस्थानी गद्य)

*Time : **3** Hours* ] [ *Maximum Marks : **100***

**(सगळां सवालां रा पडूत्तर राजस्थानी में ई देवणा है)**

**खण्ड–अ** **(अंक : 2 × 10 = 20)**

**नोट** :– सगळां **दस** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते 2 अंक अर **50** सबदां मांय देवणां है।

**खण्ड–ब** **(अंक : 8 × 5 = 40)**

**नोट** :– सात सवालां मांय सूं किणी **पांच** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते **200** सबद अर **8** अंक राखीज्या है।

**खण्ड–स** **(अंक : 20 × 2 = 40)**

**नोट** :– चार सवालां मांय सूं कोई **दोय** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते **500** सबद अर **20** अंक राखीज्या है।

**खण्ड–अ**

1. नीचै लिख्योड़ा सवालां रा पडूत्तर देवो (सबद सीमा **50** सबदा) :

   (i) अन्नाराम सुदामा री दो पोथियां रा नाम लिखो। पाठ्य पोथी ने छोड'र दूजी दो रचनावां रा नाम देवणां है।

(ii) 'मेवै रा रूंख' उपन्यास रो नाम 'मेवै रा रूंख' क्यूं रखियो ? इणरै अरथ रो, भाव रो खुलासो करो।

(iii) राजस्थानी संस्कृति मुजब 'लूण' ने कांई केवै अर कोई चीज कम होवै तो उण वास्तै कांई कहीजै ?

(iv) राजस्थानी संस्कृति में सुगन, सरोधा किण-किण विध सूं लिरीजै ?

(v) 'अलेखूं हिटलर' में ट्रेक्टर लेवण वाळा कित्ता जणां है, वांरो आपसरी में संबंध कांई है ?

(vi) 'तास रो घर' नाटक रो नाम 'तास रो घर' क्यूं राखीज्यो है ?

(vii) 'तास रो घर' रै रचनाकार रो नाम अर उणारी ओळखांण सारूं अेक मोटी विसेसता'ई लिखो।

(viii) 'भारत भाग्य विधाता' कहाणी रै रचनाकार रो नाम लिखो साथै ई इण कहाणी रै नाम साथै रचनाकार रो कांई भाव जुडियोड़ो है ?

(ix) आधुनिक राजस्थानी साहित्य दो विसेसतावां लिखो।

(x) आधुनिक राजस्थानी रा दो निबंधकारां रा नाम रचना समेत लिखो।

**खण्ड–ब**

**नोट** :– नीचै लिख्योड़ा गद्यांसां री प्रसंग समेत व्याख्या लिखो। खण्ड-'ब' में कोई पांच सवालां रा पड़ूत्तर देवो हरेक सवाल में (सबद सीमा **200** सबद)।

2. इण धरती रो मानखौ भलो अर भोळो है। अठै रे ऊंडै पाणी री, खारै पाणी री निराळी तासीर है। बिखमी परिस्थितियाँ रै कारण वौ घणौ हिम्मती, मजबूत अर करड़ो है। अकाल अठै री नियति है, पसुधन सूं जीयारी है। कुदरत री कुठागरी सूं भेंठा करतो भाग अर भगवान रै भरोसै मिनख नर्चीतो रेवै।

3. मिनख ऊपर सूं जितरो उजळो दीसै, मांयनै उतरौ ई मेलौ है। सभ्यता तो लारै आयोड़ी है जद के पसुता सागै जायोड़ी है। नागाई अर कुटळाई आपरै बाप री। नाग-बिच्छू रै खाधोडां रै झाड़ा-झपटा लागै, पाटापोळी करीजै पण मिनख रै खाधौड़ौ पाणी नी मांगै।

4. हमैं बम नई, निरमाण चाहिजै.....(सरणाये)..... उण रे हिये री लाय उणनै ईज सींझावण लागगी। थांरी जरूरत कोनी, सुणते सुणते उणरा कान बोळा हुयग्या। बै जाणयो के बो फालतू हौ, बिरथा है, बो कीं भी काम रो कोनी—हळवां हळवां डरावणो मून.....।

5. मेह अंधारी रात में डांफर चालै। कोढियौ सीयाळै रो मास। रात री आठ ई बजी कोय नी पण किसो कोई मिनख रो जायो गळी में दीस जाय। घीसू धूजतो धजतो राम-राम करतो घर में बड़ियो। मोती री मां बोली-आ'ई कोई आवण री वेळा ?

6. तारा-अठै कोई गैलो कोनी.....सैंग सैणा है पण मिनख करै भी तो कांई करै ? भूख, गरीबी, कुंठावां ..... घुटण ..... अमूझ ..... उफत ..... के करै बापड़ो ..... सुख कांनी नाठै ..... सांस रोकने नाठै पण सुख तिखाळो आयोड़ो दु:ख निसरै..... ।

7. किसोक सजायो है ई नै, जींवते सूं दो चन्दा बैसी पण साव झूठो। लास रै चश्मो लगायौ है, कांई देखै है अबै औ ? देखणआळै दिनां में'ईनी देख्यो अण, जवानी में पग राखतां ई चश्मों अण डांभर रंगा लियो हो। मोटै-मोटै आखरां में च्यांरागळ छेड़ै सामों लिख्योड़ो, आपरै कमरा री भीतां पर राम-नाम री लूट है—अण सायत'ई कदै'ई बांच्यौं हुवै।

8. आंद्यो हो पण आंख्यां बांटतौ, सुदामा हो पण हाथ ऊचो ही राखतो। सोवतो पण जागतो अर जागतो जद रोंबतो, जागै अर रोवै-कबीर हो बो। न जमा (संग्रै) रो मोह न जाग्यां रौ। धरती री मनस्यां समझतो अर बींरै लारै चालतो॥

## खण्ड–स

**नोट** :– नीचै लिख्योड़ा सवालां में किणी **दो** रो पडूत्तर देवो (सबद सीमा **500** सबद) :

9. 'अकूरड़ी अर मेह' निबंध रो सार बतावतां इणरो भाव समझावो।

10. 'तास रो घर' नाटक आज री मोट्यार पीढ़ी ने कांई सीख देवै ?

11. 'मेवै रा रूंख' उपन्यास री विरोळ करो।

12. कहाणी तत्त्वां रै आधार माथै 'बरसगांठ' कहाणी री विरोळ करो।